

सधु जल संधि

प्रलिस के लयः

[कशिनगंगा](#) एवं [रतले जलवदियुत परयोजना](#), [सधु जल संधि\(IWT\)](#), सधु और उसकी सहायक नदयौं

मेन्स के लयः

सधु जल संधि तथा संबधति ववाद

[स्रोत: द हद्वि](#)

चरचा में कयौं?

हाल ही में, 1960 की [सधु जल संधि\(IWT\)](#) के अंतगत शामिल नदयौं पर स्थापति वदियुत परयोजनाओं का नरीक्षण करने के लयि पाँच सदस्यीय पाकसितानी प्रतनिधिमंडल को जम्मू के कशितवाड़ में भेजा गया था।

सधु जल संधि(IWT) क्या है?

परचयः

- 19 सतिंबर, 1960 को [वशिव बैंक](#) (World Bank) की मध्यस्थता के माध्यम से [भारत एवं पाकसितान](#) के बीच कराची (पाकसितान) में सधु जल संधिपर हस्ताक्षर कयि गए।
- यह संधि सधु नदी तथा इसकी पाँच सहायक नदयौं [सतलुज](#), [व्यास](#), [रावी](#), [झेलम](#) एवं [चनिाब](#) के जल के उपयोग पर दोनों पक्षों के बीच [सहयोग और सूचना के आदान-प्रदान के लयि एक तंत्र](#) स्थापति करती है।

प्रमुख प्रावधानः

जल बंटवारा:

- इसमें नरीधारति कयि गया है कि सधु नदी प्रणाली की छह नदयौं का जल भारत एवं पाकसितान के बीच कसि प्रकार वभाजति कयि जाएगा।
- इसने तीन [पश्चिमी नदयौं](#) सधु, चनिाब तथा झेलम को भारत द्वारा कुछ गैर-उपभोग्य, कृषि एवं घरेलू उपयोगों को छोड़कर अप्रतबंधति उपयोग के लयि पाकसितान को आवंटति कयि तथा तीन [पूर्वी नदयौं](#) [रावी](#), [व्यास](#) एवं [सतलुज](#) को [अप्रतबंधति उपयोग के लयि भारत को आवंटति](#) कयि गया।
 - इसका अरथ यह है कि 80% जल पाकसितान को चला गया, जबकि शेष 20% जल भारत के उपयोग के लयि रहेगा।

स्थायी सधु आयोगः

- सधु जल संधि के अंतगत दोनों देशों को एक [स्थायी सधु आयोग](#) का गठन करना होगा, जसकी वार्षिक बैठक अनवार्य होगी।

ववाद समाधान तंत्रः

- IWT एक [तीन-चरणीय ववाद समाधान तंत्र](#) प्रदान करता है जसके अंतगत दोनों पक्षों के "प्रश्नों" को स्थायी आयोग द्वारा हल कयि जा सकता है, अथवा इसे अंतर-सरकारी स्तर पर भी उठाया जा सकता है।
- जल-बंटवारे पर देशों के मतभेदों को वशिव बैंक द्वारा नयुक्त [तटस्थ वशिषज्ज \(NE\)](#) द्वारा सुलझाया जा सकता है।
 - वशिव बैंक के कसि तटस्थ वशिषज्ज की अपील को [वशिव बैंक](#) द्वारा स्थापति [मध्यस्थता न्यायालय](#) (Court of Arbitration) में भेजा जा सकता है।

IWT के अंतगत वभिनिन परयोजनाओं का नरीक्षणः

- [पाकल दुल एवं लोअर कलनाई](#): पाकल दुल जलवदियुत परयोजना, चनिाब की सहायक नदी मरुसुदर पर नरिमति है। लोअर कलनाई चनिाब नदी पर नरिमति है।
- [कशिनगंगा जलवदियुत परयोजना](#): यह जम्मू-कश्मीर में स्थति एक रन-ऑफ-द-रविर परयोजना है।
 - पाकसितान ने इस परयोजना पर आपत्ता जताते हुए तर्क दयि कि इससे कशिनगंगा नदी (जसि पाकसितान में नीलम नदी कहा जाता है) का प्रवाह प्रभावति होगा।
 - वर्ष 2013 में, हेग के स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (CoA) ने नरिणय दयि कि भारत कुछ शर्तों के साथ संपूर्ण जल प्रवाह मोड़

सकता है।

- [रतले जलवदियुत परियोजना](#): यह जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर स्थिति एक जलवदियुत स्टेशन है।

The Indus Waters Treaty (IWT)

- The distribution of waters of the Indus and its tributaries between India and Pakistan is governed by the Indus Water Treaty (IWT).

- Was signed on Sept 19, 1960, between India, Pakistan and a representative of World Bank after eight years of negotiations.

- Partition of India cut across the Indus river basin, which has the Indus river, plus five of its main tributaries.

Western rivers

Chenab, Jhelum, Indus

India's rights over these rivers: Limited — can set up certain irrigation, run-of-the-river power plants, very limited storage, domestic and non-consumptive use, all subject to conditions

Eastern rivers

Sutlej, Beas, Ravi

India's rights over these rivers: All exclusive rights lie with India.

Indus Waters Commission a success story

- Once every five years, conducts a general inspection of all rivers in parts. Total inspection tours so far: Over 100
- Regularly meets once a year. Total meetings thus far, including those for taking up Pak objections: Over 100

//

सधु नदी और उसकी सहायक नदियाँ

■ उद्गम:

- सधु (तबिबती-सैंगे चू, 'लायन नदी'), दक्षिण एशिया की एक प्रमुख नदी, ट्रांस-हिमालय में मानसरोवर झील के पास तबिबत से निकलती है।
- यह नदी तबिबत, भारत और पाकिस्तान से होकर बहती है तथा इसके जल नकिसी बेसिन के क्षेत्र में लगभग 200 मिलियन लोग नविस करते हैं।

■ मार्ग और प्रमुख सहायक नदियाँ:

- यह नदी लद्दाख के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है और पाकिस्तान के गलिगति-बाल्टस्तान क्षेत्र में पहुँचने से पहले जम्मू-कश्मीर से होकर बहती है।
- सधु नदी की प्रमुख बाएँ किनारे की सहायक नदियाँ ज़स्कर, सुरु, सोन, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास, सतलुज और पंजनाद नदियाँ हैं।
- इसके दाहिने किनारे की प्रमुख सहायक नदियाँ श्याक, गलिगति, हुंजा, स्वात, कुन्नार, कुर्रम, गोमल और काबुल नदियाँ हैं।
- सधु नदी दक्षिण पाकिस्तान में कराची शहर के पास [अरब सागर](#) में गिरती है।

| नदी | उद्गम | शामलि है |
|-------|--|--|
| झेलम | कश्मीर घाटी के वेरीनाग में वसंत | त्रमिमु, पाकिस्तान में चिनाब |
| चिनाब | बारा लाचा दर्रे के पास चंद्रा और भागा धाराएँ | झेलम और रावी के बाद सतलुज |
| रावी | रोहतांग दर्रे के पास कूललू की पहाड़ियाँ | रंगपुर, पाकिस्तान के निकट चिनाब |
| ब्यास | रोहतांग दर्रे के पास | सतलुज, हरकि बैराज, भारत |
| सतलुज | मानसरोवर-राकस झीलें, तबिबत | पाकिस्तान के मथिनकोट से कुछ किलोमीटर ऊपर सधु नदी |

आगे की राह

- तकनीकी विवाद समाधान पर ध्यान: दोनों पक्षों को तकनीकी विवादों को हल करने के लिये संधि के मौजूदा ढाँचे के उपयोग को प्राथमिकता देनी चाहिये।
- पारदर्शिता और डेटा साझाकरण: दोनों देश आपसी चर्चाओं को दूर करने के लिये जल विज्ञान संबंधी डेटा साझा कर सकते हैं।
- संयुक्त बेसिन प्रबंधन: जलवायु परिवर्तन और जनसंख्या वृद्धि संधि बेसिन में आम चुनौतियाँ पेश करती हैं, जिससे जल संरक्षण, बाढ़ नियंत्रण और सतत उपयोग के लिये संयुक्त प्रबंधन की आवश्यकता होती है।
- राजनीतिक प्रतिबद्धता और संवाद: स्थायी समाधान के लिये दोनों सरकारों की ओर से टकराव की तुलना में संवाद तथा सहयोग को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

ट्रिपल प्वाइंट प्रश्न:

प्रश्न. संधि जल संधि के प्रमुख प्रावधानों और भारत-पाकिस्तान संबंधों में इसके महत्त्व पर चर्चा कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. संधि नदी प्रणाली के संदर्भ में नमिनलखिति चार नदियों में से तीन नदियाँ इनमें से किसी एक नदी में मिलती हैं जो सीधे संधि से मिलती है। नमिनलखिति में से वह नदी कौन-सी है जो सीधे संधि से मिलती है? (2021)

- चिनाब
- झेलम
- रावी
- सतलुज

उत्तर: (d)

प्रश्न. नमिनलखिति युगों पर विचार कीजिये (2019)

हमिनद नदी

- बंदरपूँछ : यमुना
- बारा शगिरी : चेनाब
- मलाम : मंदाकनी
- सयिाचनि : नुबरा
- जेमू : मानस

उपर्युक्त में से कौन-से युग सही सुमेलित हैं?

- 1, 2 और 4
- 1, 3 और 4
- 2 और 5
- 3 और 5

उत्तर: (a)

??????????:

प्रश्न. नदियों को आपस में जोड़ना सूखा, बाढ़ और बाधति जल-परविहन जैसी बहु-आयामी अंतर-संबंधति समस्याओं का व्यवहार्य समाधान दे सकता है। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (2020)